

यह प्रश्न-पत्र एवं उत्तर पुस्तिका संयुक्त है।

जय गुरु नाना

जय महावीर

जय गुरु राम

श्री साधुमार्गी जैन धार्मिक परीक्षा बोर्ड, बीकानेर

जैन संस्कार पाठ्यक्रम परीक्षा-2023

समय : 3 घण्टे

12:30 से 3:30 बजे तक

प्रश्न-उत्तर पत्र भाग -4

अंक 97+3-100

नाम..... पिता/पति का नाम.....

शहर का नाम..... जन्मतिथि..... मोबाइल..... रोल नं

नोट:- सभी प्रश्नों के उत्तर दिये गये निर्देशों के अनुसार, निर्धारित स्थान पर, इसी प्रश्न पत्र में लिखें। उत्तर पुस्तिका जाँचने पर यदि यह पुष्ट होती है कि परीक्षार्थी ने दूसरे का सहयोग लिया है अथवा एकाधिक पुस्तिकाओं के उत्तर समान हैं तो उसे नकल किया हुआ मानकर परिणाम निरस्त कर दिया जावेगा। केन्द्र अधीक्षक उपरोक्त प्रश्नोत्तर पुस्तिका परीक्षा समाप्ति के अगले दिन श्री अखिल भारतवर्षीय साधुमार्गी जैन संघ, समता भवन, आचार्य श्री नानेश मार्ग, नोखा रोड, गंगाशहर, बीकानेर-334401 (राज.) के पते पर भिजवावें।

पेपर 97 अंक एवं 3 अंक सामायिक के हैं। जैसे :- 3 सामायिक करने पर 3 अंक दिए जाएंगे और 2 करने पर 2 अंक इसी क्रम में सामायिक न करने पर 3 अंक काटे जाएंगे। (**परीक्षा दिनांक 01.10.2023**)

1. आपने कितनी सामायिक की है 1,2,3 कॉलम में लिखें।

1/4

1/2

प्रश्न 1. अंको में उत्तर दीजिए-

10x1=10

1. पुण्यवान जीवों को प्राप्त होने वाली प्रकार की सामग्री है।
2. इस प्रकार 14 ज्ञान के के बारह व्रत।
3. बोलो का यथा परिणाम किया जाता है।
4. जाति-स्थविर की वय वाले हैं।
5. आठवां अण्टटादण्ड वरमण व्रत के आगार
6. तीर्थकर पद प्राप्ति के 20 बोल श्रीमद्ज्ञातार्थमंकथा सूत्र के वें अध्ययन के आधार पर है।
7. मूल सूत्र है।
8. आढाई द्वीप क्षेत्र तथा द्वीप के बाहर असंख्यात द्वीप में श्रावक-श्राविकाएँ हैं।
9. प्रतिक्रमण में कुल आवश्यक है।
10. समकित के बोल है।

प्रश्न 2. सही जोड़ी बनाइये।

10x1=10

- | | | |
|------------------|---|------------------|
| 1. साधु | - | A. 48 मिनट |
| 2. 12 गुण | - | B. दूसरा आवश्यक |
| 3. बाहणविहि | - | C. वंदना |
| 4. लोगस्स | - | E. 27 |
| 5. 1 सामायिक | - | F. अरिहंत |
| 6. तपस्या | - | G. 22 |
| 7. सम्यक्त्व | - | H. उच्चगोत्र |
| 8. पुण्य प्रकृति | - | I. निरतिचार पालन |
| 9. लक्षण | - | J. प्रभावना |
| 10. यतना | - | K. 5 |

प्रश्न 3. शब्दार्थ लिखिए-

$\frac{1}{2} \times 10 = 5$

1. निसीहि
2. इहलोगासंसप्पओगो
3. वणकम्मे
4. जिणपण्णतं
5. तदुभयागमे
6. रागेण
7. णाण संपण्णया
8. अममे
9. खाइमं
10. सद्धाण्डुवाए

प्रश्न 4. निम्न प्रश्नो के उत्तर दीजिए-

$3 \times 10 = 30$

1. ऋषभदेव भगवान के काल स्वरूप को समझाईये?

.....

.....

.....

.....

2. प्रतिक्रमण की पांचवें आवश्यक में भाव वंदना से पांचवें भाव की अंतिम पाठ कौन-कौनसा है?

.....

.....

3. भरत चक्रवर्ती को कौनसा लौकिक भौतिक ऋद्धि हुआ एवं कौनसा लोकोत्तर रिद्धि प्राप्त हुई?

.....

.....

.....

.....

4. पांचवें बोल क्या है? अर्थ भी लिखिए?

.....

.....

.....

.....

5. अंतिम 5 तीर्थकर पद प्राप्ति के बोल लिखिए?

.....

.....

.....

.....

6. प्रथम 4 पुण्यवान की प्राप्त उत्तम सामग्री लिखिए?

.....

.....

.....

.....

7. सातवें बोल कौनसा है वह क्या-क्या है?

.....

.....

.....

.....

8. ढंडण मुनि को कौनसा कर्म का विशेष उदय रहा, कौनसा परिषह को जीतते हुए विचरण किया? भगवान महावीर ने अर्जुन को कौनसा शिक्षा मंत्र दिया।

.....

.....

9. द्रव्य लेश्या भाव लेश्या किसे कहते हैं-

10. संथारा में ध्यान रखने योग्य कोई 4 बाते बताइये।

प्रश्न 5. रिक्त स्थान पूर्ण कीजिए-

$3 \times 4 = 12$

1. तीजा अणुत्रत

अदत्तादान का पच्चक्खाण।

2. जत्ता भे जवणिज्जं

तित्तीसन्नयराए।

3. पृथक्त्व हजार करोड़ श्री साधुजी

कायसमाधारणया।

4. अपच्छ्यम मारण्ठिय

जीवियासंसप्पओगे।

प्रश्न 6. मुझे पहचानो?

10

1. वक्र वचन बोलने वाला, वक्र आचरण करने वाला हूँ मै-

2. मैं जीवन का निचोड़ हूँ-

3. मेरा आचरण दण्डनीय अपराध है-

4. मुझमें छहों लेश्याएँ पायी जाती है-
5. मेरा लक्ष्य आत्मशुद्धि और आत्मकल्याण होता है-
6. मुझे रात्रि में सोते समय बोलते है-
7. हम तीन बहने है हम दुर्गति में ले जाते है-
8. मैं अन्यतीर्थियों की प्रशंसा करती हूँ।
9. मूलगुण, उत्तरगुणों का निरतिचार पालन करने से आगमी भव तीन लोक में वन्दनीय होता हूँ-
10. मै आठ कर्मों का विनाशक हूँ।

प्रश्न 7. संक्षिप्त में उत्तर-

4x2=8

1. समयं गोयम मा पमायए का अर्थ क्या है?

.....
.....
.....
.....

2. संथारा में ध्यान रखने योग्य कोई 4 बाते बताइये?

.....
.....
.....
.....

3. संथारा एवं आत्महत्या का कोई 2 अंतर लिखिए?

.....
.....
.....

प्रश्न 8. काव्य को पूर्ण कीजिए

6x2=12

1. सोहं तथापि

प्रवृत्त।

2. निर्धूम-वर्ति

करोषि।

3. मैने नहीं

किया।

4. त्रिपृष्ठ
		टाला।
5. अरिहंत उत्तमं
		उत्तमं।
6. ब्रह्मज्ञान फ़िर
		प्रमाण।